Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment	Entertainment & Event
Property	Hobbies & Interests
Business Opportunity	Services
Vehicles	Jewellery & Watches
Announcements	Music
Antiques & Collectables	Obituary
Barter	Pets & Animals
Books	Retail
Computers	Sales & Bargains
Domain Names	Health & Sports
Education	Travel
Miscellaneous	

Matrimonial (Sunday Only)

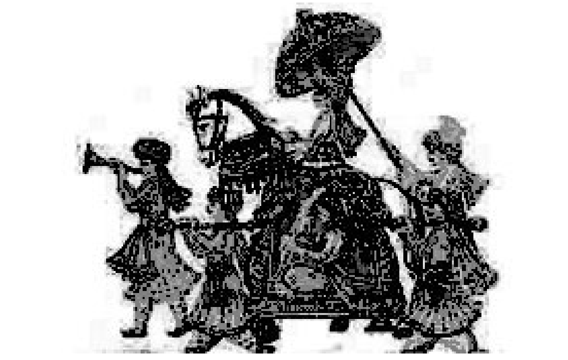

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

बागियों के लिए खोले भाजपा ने दरवाजे

संवाददाता

देहरादून। हार्स ट्रेडिंग पर हाईकोर्ट के सख्त निर्देशों के बाद भी राज्य में हुए पंचायत चुनाव नतीजों के बाद जिला पंचायत अध्यक्षों के पदों पर अपने प्रत्याशियों को काबिज कराने के लिए भाजपा और कांग्रेस ने जोड़ तोड़ शुरू कर दी है। निर्दलीय और बागी प्रत्याशियों का बोलबाला रहने के कारण अब दोनों ही प्रमुख दलों द्वारा इन्हे अपने अपने पाले में खींचने के भरसक प्रयास किये जा रहे हैं।

भाजपा जो केन्द्र और राज्य की सत्ता पर काबिज है आशातीत सफलता न मिलने से थोड़ी निराश जरूर है लेकिन इसके बावजूद भी उसका पलड़ा भारी दिख रहा है। प्रदेश अध्यक्ष अजय भट्ट इस बात को लेकर आशान्वित दिख रहे है कि सभी 12 जिलों में वह जिला अध्यक्ष पदों पर अपने प्रत्याशियों को बैठा सकेंगे। भाजपा जिसने देहरादून सहित चार जिलों में बीते कल ही अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी, अन्य आठ के बारे में भी जल्द निर्णय लेने की बात कह रहे है। पार्टी मुख्यालय में विजयी प्रत्याशियों से इस पर चर्चा हुई।

■निर्दलीय और बागी प्रत्याशियों का बोलबाला

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अजय भट्ट का कहना है कि उन्हें जो भी प्रत्याशी अपने समर्थन और जीत का भरोसा दिलायेगा बिना किसी भेदभाव के उनके नाम को आगे बढ़ाया जायेगा। 356 जिला पंचायत सदस्यों में से 120–122 भाजपा सदस्यों को जीत मिली है जबकि 165 निर्दलीय प्रत्याशी विजयी हुए है। जबकि कांग्रेस समर्थित 70 के करीब प्रत्याशी जीते हैं। यही कारण है कि जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में निर्दलीयों की भूमिका अहम रहने वाली है। अजय भट्ट का कहना है कि बागी और निर्दलीय विजयी प्रत्याशियों के लिए भी पार्टी के दरवाजे खुले है दूसरे चुनावों की तरह अगर वह पार्टी के साथ आते है तो उनकी बात भी सुनी जायेगी। उनका कहना है कि पार्टी सभी को साथ लेकर चलने की नीति पर काम करती है उन्होंने अपने पर्यवेक्षक भी सभी जिलों में भेजे है।

उल्लेखनीय है कि पंचायत चुनाव में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ा था तथा सौ से अधिक को पार्टी से बाहर निकाल दिया गया था। लेकिन चुनाव नतीजों के बाद अब विजयी बागियों को लेकर पार्टी नरम रूख अपनाती दिख रही है।

नदी में समाई जिप्सी मिली डिप्टी कमांडेंट का पता नहीं

संवाददाता नारायणबगड़।

कर्णप्रयाग–ग्वालदम मोटर मार्ग पर आमसौड़ में चार माह पूर्व पिंडर नदी में गिरी एसएसबी की जिप्सी का पता लग गया है। नदी का जलस्तर कम होने के बाद जिप्सी नजर आई, जिसे पानी से बाहर निकाल दिया गया है, लेकिन जिप्सी में लापता डिप्टी कमांडेंट का आज तक कोई पता नहीं चल पाया है। पिंडर नदी का जल स्तर कम होने पर स्थानीय लोगों ने आमसौड़ के पास जिप्सी देखे जाने पर इसकी सूचना पुलिस प्रशासन व एसएसबी को दी गयी। नदी में डूबी जिप्सी को पिंडर नदी से रिकवरी वैन की मदद से बाहर निकाला गया, लेकिन जिप्सी में कुछ भी बरामद नहीं हुआ। गौरतलब है कि जुलाई 2019 में श्रीनगर से ग्वालदम आ रही एसएसबी की जिप्सी आमसौड़ के निकट अनियंत्रित होकर पिंडर नदी में गिर गयी थी। जिसमें सवार एसएसबी के डिप्टी कमांडेंट अशोक कुमार लापता हो गए थे। अशोक कुमार 11 बटालियन डीडीहाट कुमांऊ में तैनात थे।

राज्य का 10 वर्षीय जैव विविधता प्लान तैयार

कदम

उत्तराखंड में जैव विविधता संरक्षण के लिए 10 हजार करोड़

संवाददाता

देहरादून, केदार दत्त। जैव विविधता के लिए मशहूर उत्तराखंड की इस धरोहर के संरक्षण की दिशा में सरकार ने गंभीरता के साथ कदम बढ़ाए हैं। प्रदेश में जैव विविधता से संबंधित 25 विभागों व बोर्ड के लिए अगले 10 साल के लिए 10159 करोड़ का प्लान तैयार किया गया है। इस अवधि के लिए 380 एक्शन प्लान और 114 रणनीति तय की गई हैं। जैव विविधता संरक्षण से संबंधित विभागों के कार्यों को भी एक्शन प्लान में शामिल किया गया है। समान कार्य वाले विभाग मिलकर प्लान को धरातल पर उतारने को जुटेंगे।

जैव विविधता संरक्षण की मुहिम को तेज करने और इसमें सभी विभागों व बोर्ड की सक्रिय भागीदारी के मद्देनजर उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड ने द एनर्जी रिसर्च इंस्टीट्यूट (टैरी) के माध्यम से राज्य का 10 वर्षीय जैव विविधता प्लान तैयार कराया है। टैरी ने यह प्लान 10159 करोड़ रुपये का आंकलित किया है। अब जैव विविधता संरक्षण से जुड़े विभाग इसी के अनुरूप जैव विविधता संरक्षण से संबंधित कार्य कराएंगे। इसमें उनके यहां पहले से चल रहे कार्य भी शामिल किए जाएंगे।

जैव विविधता संरक्षण प्लान में यह तय किया गया है कि कौन सा विभाग कौन से कार्य करेगा। एक जैसा कार्य करने वाले विभागों को आपस में तालमेल कर कदम उठाने हैं। इस मुहिम से जहां जैव विविधता का संरक्षण हो सकेगा, वहीं स्थानीय जन की भागीदारी भी इसमें सुनिश्चित की जाएगी। यही नहीं, जैव विविधता का उपयोग करने वाली कंपनियों के सालाना टर्नओवर से कुछ फीसद हिस्सेदारी स्थानीय समुदाय को मिलेगी।

कंपिनयों के सालाना टर्नओवर से कुछ फीसद हिस्सेदारी स्थानीय समुदाय को मिलेगी

जैव विविधता संरक्षण प्लान में यह तय किया गया है कि कौन सा विभाग कौन से कार्य करेगा। एक जैसा कार्य करने वाले विभागों को आपस में तालमेल कर कदम उठाने हैं। इस मुहिम से जहां जैव विविधता का संरक्षण हो सकेगा, वहीं स्थानीय जन की भागीदारी भी इसमें सुनिश्चित की जाएगी। यही नहीं, जैव विविधता का उपयोग करने वाली कंपनियों के सालाना टर्नओवर से कुछ फीसद हिस्सेदारी स्थानीय समुदाय को मिलेगी।

प्लान में शामिल विभाग व बोर्ड

वन विभाग, पशुपालन, कृषि, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, मत्स्य, पंचायतीराज, ग्राम्य विकास, पर्यटन विकास परिषद, शहरी विकास, पेयजल निगम, आपदा प्रबंधन एवं न्यूनीकरण केंद्र, रेशम, शिक्षा, बांस एवं रेशा विकास परिषद, ऊन एवं भेड़ विकास परिषद, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नियोजन आयोग, सहकारी संघ, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, उद्योग, आवास एवं शहरी विकास प्राधिकरण, औषधीय पादप बोर्ड, जलागम, जल संस्थान, पेयजल एवं स्वच्छता।

विभागों को आज देंगे जानकारी

जैव विविधता संरक्षण को बनाए गए प्लान से शुक्रवार को संबंधित महकमे व बोर्ड रूबरू होंगे। राज्य जैव विविधता बोर्ड के सदस्य सचिव एसएस रसायली ने बताया कि इस सिलसिले में शुक्रवार को वन मुख्यालय के मंथन सभागार में कार्यशाला आयोजित की गई है।

न्यूज डायरी

बाजार में नहीं घुस सकेंगे बड़े वाहन

संवाददाता मंगलौर। सर्राफा बाजार में अब किसी भी तरह का चार पहिया वाहन नहीं घुस पाएगा। सर्राफा बाजार के मुख्य मार्ग पर बैरीकेडिंग लगा दी गई है। कुछ दुकानदारों ने बैरीकेडिंग का विरोध भी लेकिन पुलिस के विरोध के सामने उनकी एक ना चली। देहरादून समेत कई इलाकों में सर्राफा कारोबारियों के साथ कई तरह की वारदात हो चुकी है। इसको देखते हुए मंगलौर में भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। सप्ताह भर पहले पुलिस की ओर से सर्राफा कारोबारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान पुलिस ने कहा था कि बाजार में जाम की समस्या से निजात दिलाने एवं सुरक्षा की दृष्टि से किसी भी तरह के चार पहिया व अन्य बड़े वाहनों को नहीं जाने दिया जाएगा। शुक्रवार को पुलिस ने गाड़ियों को रोकने के लिए जगह–जगह बैरीकेडिंग लगाने को कहा। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप चौहान ने बताया कि तीन दिन तक जीरो जोन लागू कर दिया गया है।

अवसाद में आकर युवक ने की आत्महत्या

संवाददाता लालकुआं। नानकमत्ता निवासी गोविंद ने देर रात अपने ही घर मे फांसी लगाकर की अपनी जीवनलीला समाप्त। बीते अगस्त माह में मृत युवक के भाई की मौत लालकुआं भर्ती के दौरान हुई थी। इस मामले में तीन आइटीबीपी जवान गिरफ्तार हो चुके हैं। यह मामला अपने समय में काफी चर्चित रहा। बताया जा रहा है कि गोविंद अपने भाई सूरज की मौत के बाद से काफी परेशान रहता था। हत्यारों पर कोई ठोस कार्रवाई और अन्य लोगों की गिरफ्तारी नहीं होने से भी परेशान था। हालांकि, मामले में भारी जनविरोध के बाद पुलिस ने तीन जवानों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामले की जांच चल रही है। वहीं एक ही परिवार के दो युवाओं की मौत से लोग हतप्रभ हैं।

लुईस फिलीप, इंटरनेशनल प्रीमियम मेंसवेयर ब्रांड ने रूड़की में खोला अपना पहला स्टोर

संवाददाता रूड़की। भारत के एक प्रमुख प्रीमियम, इंटरनेशनल मेंसवेयर ब्रांड लुईस फिलीप ने रूड़की, उत्तराखंड में अपने पहले स्टोर की शुरूआत की है। आदित्य बिरला ग्रुप 1989 में लुईस फिलीप को भारत लेकर आया था और तभी से ही ब्रांड को उसकी बेहतरीन कारीगरी के लिये जाना जाता है। इसके द्वारा ऐसे कपड़े तैयार किये जाते हैं, जोकि क्लासिक और कंटेम्परारी दोनों ही होते हैं। हाल ही में ब्रांड ने एक व्यापक मार्केटिंग कैंपेन के माध्यम से क्लॉदिंग की अपनी अत्याधुनिक खोजपरक लाइन परमैप्रेस कलेक्शन को लॉन्च किया था। सिविल लाईन्स रूड़की, उत्तराखंड में स्थित नया स्टोर 1200 वर्ग फीट के क्षेत्र में फैला हुआ है ।

दीपावली के दिन प्रैंग्नेट महिलाएं बरतें सावधानियां

सलाह

देहरादून। **संवाददाता**

दीपावली की तैयारियाँ अक्सर कुछ दिन पहले शुरू हो जाती है। कभी–कभार दिपावली से एक या दो महीने पहले। गर्भवती होने के नाते आपके दिमाग में कई सवाल आते होंगे, जिनके बारे में आपने पहले कभी नहीं सोचा होगा जैसे पटाखों से होने वाले प्रदूषण का आप पर और आपके बढते शिशु पर क्या प्रभाव होगा? लेकिन इसका मतलब यह नहीं है की आप त्योहारों का आनंद नहीं ले सकती है। जानिए

डा. सुजाता संजय।

आप कैसे त्योहार को खुश–नुमा बना सकती है। पटाखों से निकलने वाला धुआं, धमाके की आवाज और कठोर रसायन गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक होते है। साथ ही ये भ्रूण को भी नुकसान पहुंचाते है। दीपावली के दिन अगर आपके घर में कोई महिला गर्भवती है या फिर आप खुद गर्भवती है तो आपको अपना खास ख्याल रखना चाहिए। जिससे उन्हें या फिर उनके पेट में पल रहे शिशु को कोई तकलीफ ना हो। संजय ऑर्थोपीड़िक, स्पाइन एवं मैटरनिटी सेंटर की राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सुजाता संजय ने बताया कि दिवाली के जश्न के दौरान छोटी–सी भी लापरवाही गर्भवती महिलाओं को जोखिम में डाल सकती है।

डॉ. सुजाता के अनुसार, गर्भवती महिलाओं को पटाखों से फैले प्रदूषण से भी बच कर रहना चाहिए गर्भावस्था के दौरान प्रदूषण गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए समस्या उत्पन्न कर सकता है।

अवमुक्त धनराशि को समय से व्यय करें: डीएम मंगेश

जिला सभागार में बैठक लेते जिलाधिकारी मंगेश घिल्डियाल।

संवाददाता रुद्रप्रयाग। योजनाओं में अवमुक्त धनराशि को वित्तीय वर्ष के अंतिम माह तक व्यय करने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के साथ पुराने निमार्णाधीन कार्यो को गुणवत्ता, पारदर्शिता के साथ समय सीमा के अन्तर्गत पूरा करना सुनिश्चित करें, जिससे धनराशि का समय से सदुपयोग हो। यह बात जिला सभागार में जिला योजना, राज्य योजना, केन्द्र पोषित तथा बाह्य सहायतित योजनाओं की वित्तीय व भौतिक प्रगति की समीक्षा बैठक लेते हुए जिलाधिकारी मंगेश घिल्डियाल ने कही।